न्यायालय श्रीमान सप्तम अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, वाराणसी|

प्रा०पत्र सं०: सन् 2013

प्रार्थना पत्र मिनजा मिब पंकज दुबे एडवोकेट निवासी सप्पनपुर नटूई,थाना सारनाथ वाराणसी----------प्रार्थी

बनाम

१.वागेश प्रसाद, जनरल सेक्रेटरी वीराशैबा महासभा बंगलौर।
२. सुवर्ण न्यूज चैनल से संबंधित, चैनल के हैड चीफ एडिटर,न्यूज एडिटर व क्राइम रिपोर्टर।

----------अभियुक्तगण।

घटना का दिनांक- 07.03.2013
घटनास्थल- मकान प्रार्थी
अ०धारा- 295A/298/307/506/120B/500 भा०द०वि०
थाना- सारनाथ, जनपद वाराणसी।

<u>नाम व पता साक्षीगण-</u>

1- नीरज ताम्रकर पुत्र अशोक ताम्रकर निवासी , सूर्य गूरुग्राम काम्पलेक्स, ग्राउन्ड फ्लोर, भिकारीपुर, वाराणसी।

2. राजीव कुमार पुत्र शम्भूनाथ निवासी एन.9/35 एक्स.425 संत गोपाल नगर वड़ी पटिया नजरडीहा, वाराणसी।

अन्य गवाहान जो वक्त जरुरत पर पेस किये जायेगें।

<u>संक्षेप में परिवाद पत्र का कथन इस प्रकार है-</u>

सविनय निवेदन है के प्रार्थी अधिवक्ता है, और वाराणसी जनपद में वकालत करता है। प्रार्थी परम पूज्य परमहंस नित्यानन्द स्थापक"नित्यानन्द ध्यानपीठम्" नित्यानन्दपुरी कल्लूगोपहल्ली, आफ मैसूर रोड बिड़दी, रामनगर डीस्ट्रिक्ट वैंगलूर, कर्नाटक का साधक व अनुयायी है। प्रार्थी की पूर्ण धार्मिक आस्था परमहंस स्वामी नित्यानन्द में है। प्रार्थि उन्हे ईस्वर तुल्य मानता है। प्रार्थी सूवर्णा चैनल पर अक्सर प्रोग्राम देखता है। दिनांक ०७.०३.२०१३ रात्रि में प्रार्थी सुबर्णा चैनल देख रहा था, उसी समय स्वामी जी के अनूयायी नीरज ताम्रकर, राजीव कुमार व ए.सी.नरेन्दन व अन्य लोग भी प्रोग्राम देख रहे थे कि उसी समय वागेश प्रसाद जो वीराशैवा महासभा के जनरल सेक्रेटरी हैं, सुवर्णा न्यूज चैनल् पर हाथ में कटार उठाकर परमहंस स्वामी नित्यानन्द जी को सम्बोधित करते हुये कहे के नित्यानन्द कौन हैं ? "वीराशैवा सतपुरुष का मतलब क्या है? तम्बापूरी पीठ का अवतार वीराशैवा स्वामी हैं। वीराशैवा मठ के प्रमुख को क्या वोलता है, उससे जबान लड़ा रहे हो।"क्या तुमने अपने माँ का दूध पिया है ? अगर तुम मानव हो तो अपनी गलती मान लो, तुमको क्षमा कर दिया जायेगा। तुम सुतुर स्वामी , सिद्ध गंगा स्वामी के पास जाओ और उनसे अपने आपको लिंगायत हो इसका प्रमाणित करो, यह मेरा तुमसे चैलेंज है, और में तुमको अखिल भारत शैवा महासभा का एक मेम्बर बना दुंगा। " बागेश प्रसाद ने परमहंस नित्यानन्दजी को सम्बोधित करते हुए कहे कि " में वीराशैवा का अवतार हुं, और बुरे के साथ बुरा और अच्छे के साथ अच्छा हुं।"अगर अपने आपको वीराशैवा बताते रहोगे और हमारी कौम को बद्नाम करते रहोगे तो मुझे वीरभद्र अवतार लेना पड़ेगा।"यह सारी बात बागेश प्रसाद ने परमहंस स्वामी नित्यानन्द जी

को सम्बोधित करते हुये हाथ में कटार लेकर सुवर्णा न्यूज चैनल पर कहा और सुवर्णा नूज चैनल द्वारा यह प्रोग्राम के यह अंस कई बार दिखाया गया। कोई व्यक्ति कटार लेकर कैसे न्युज चैनल के आफिस में जा सकता है, और वहां जाकर व्यक्ति विशेष को सम्बोधित करके इस तरह की बात कहता है, तथा न्यूज चैनल द्वार इसका प्रसारण किया जाता है। इस प्रकार वागेश प्रसाद जी सुवर्णा न्युज चैनल के माध्यम से परमहंस स्वामी नित्यानन्द जी का मानहानी किये हैं तथा उनकी साख,मान,मर्यादा ब प्रतिष्ठा गिराने में सुवर्णा न्यूज चैनल के हेड, चीफ़ एडीटर,क्राइम रेपोर्टर का पूरा सयोग रहा है। वागेश प्रसाद ने किसी वर्ग के धर्म या धार्मिक विश्वासों का विद्वेषत: अपमान किया, तथा धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के आशय से सुवर्णा न्युज के स्टूडियो में जाकर धमकी भरा शव्द बोला, कटार हाथ में लेकर हत्या करने के उद्देश्य से जान से मार डालने की धमकी देये,जिसमें सुवर्णा न्युज चैनल का पूरा सहयोग रहा। सुवर्णा न्यूज चैनल द्वारा दिनांक ७.३.१३ को परमहंस स्वामी नित्यानन्द जी के बारे में दिखाये गये प्रोग्राम के फोटो कि प्रति व प्रोग्राम की सी०डी० प्रार्थना पत्र के साथ संलग्न है।

प्रार्थना

अत: श्रीमान जी से नेवेदन है कि वागेश प्रसाद जी व सुवर्णा न्यूज चैनल से सम्बंधित्त चैनल के हेड, चीफ एडिटर, न्यूज एडिटर, व क्राइम रेपोर्टर को बतौर अभियुक्तगण तलब कर दण्डित करने की कृपा करें, ताकि न्याय हो।

दिनांक: 03.04.2013 प्रार्थी-